Seat No. : _____

NF-120(H)

November-2025

B.A., Sem.-V (NEP)

DSC-C-SOC-351 (Major) : Sociology

(Sociology of Women)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

निर्देश : (1) **सभी** प्रश्नों के समान अंक हैं ।

(2) दाहिनी ओर अंक दर्शाए गए हैं ।

(3) प्रत्येक उत्तर का क्रमांक प्रश्न-पत्र क्रमांक के अनुसार लिखें ।

1. स्त्री अध्ययन का अर्थ बताते हुए इसका कार्यक्षेत्र समझाइए । **10**

अथवा

1. स्त्री अध्ययनों की आवश्यकता बताइए । **10**

2. कुटुंब में स्त्री की भूमिका सविस्तार समझाइए । **10**

अथवा

2. स्त्री के सामाजिक दर्जे के आर्थिक निर्णायकों की चर्चा कीजिए । **10**

3. स्त्रियों की शिक्षण से संबंधित समस्याओं के कारणों को समझाइए । **10**

अथवा

3. स्त्रियों की दोहरी भूमिका के सामाजिक प्रभावों की चर्चा कीजिए । **10**

4. सावित्रीबाई फुले के सामाजिक योगदान की चर्चा कीजिए । **10**

अथवा

4. पार्वती कुंवर की जीवनी और सामाजिक योगदान की चर्चा कीजिए । **10**

5. निम्न कथनों में सही या गलत बताइए : (कोई **दस**) **10**

(1) स्त्रियों के अध्ययन का आधार अमेरिका में रखा गया था ।

(2) वर्ष 1976 को अंतर्राष्ट्रीय नारी वर्ष के रूप में घोषित किया गया था ।

(3) विकासलक्षी उपागम स्त्रियों के अध्ययन से संबंधित है ।

(4) बालक के सामाजीकरण में स्त्रियों का योगदान गौण होता है ।

(5) विभिन्न कानूनी उपायों द्वारा स्त्रियों का सामाजिक दर्जा ऊँचा हुआ है ।

(6) 1857 में, विधवा पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता मिली ।

(7) मध्ययुगीन समाज में स्त्रियों के लिए शिक्षा के द्वार बंद थे ।

(8) भारत में पितृसत्तात्मक व्यवस्था स्त्रियों के शिक्षा प्राप्त करने में बाधक है ।

(9) स्त्रियों की दोहरी भूमिका उनके लिए बोझ के समान है ।

(10) अहिल्याबाई होल्कर मराठा काल के दौरान राजमाता थीं ।

(11) दाहीगौरी "दाहीबेन" के नाम से जानी जाती थीं ।

(12) सावित्रीबाई फुले का जन्म मध्य प्रदेश में हुआ था ।